Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 23-08-2006

Participants : Jatiya Dr. Satyanarayan

an>

Title: Need to ensure the dignity of the individual by providing social and economic justice as enshrined in the Constitution.

डॉ. सत्यनारायण जटिया (उज्जैन) : महोदय, हमारे संविधान ने प्रत्येक नागरिक को न्याय सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक तथा स्वतंत्रता। प्रतिठा तथा अवसर की समता के साथ व्यक्ति की गरिमा को प्राप्त करने का निश्चय व्यक्त किया है।

आज भी देश के करोडों लोग सामाजिक आर्थिक न्याय से वंचित हैं तथा राजनैतिक न्याय को सम्पूर्णता नहीं है। सम्मान और प्रतिठा का जीवन प्रत्येक को कैसे मिलेगा यह सुनिश्चित नहीं है और कहीं तो है ही नहीं है। इस अभावग्रस्तता और अन्याय से मुक्ति का उपाय कैसे हो इसकी कार्य योजना और कार्यान्वयन आवश्यक है।

बेरोजगारी, अपूर्ण रोजगार से गरीब का गुजारा नहीं हो रहा। ऐसी असहाय और निर्बल स्थिति से करोड़ों देशवासियों को उबारने और उन्हें प्रतिठापूर्ण जीवन जीने का अवसर देने के लिये समग्र उपाय रोजगार, अच्छा आवास, सुस्वास्थ्य की सहायता और भेद बिना शिक्षा, अर्थात गांव की और शहरी शिक्षा के स्तर में अंतर का न होना आवश्यक है।

अतएव केन्द्र सरकार व्यक्ति की गरिमा और प्रतिठा को प्राप्त कराने के विविध उपाय सुनिश्चित करें।